

अनुक्रमांक

नाम

102

302(CV)

2020

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घंटे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थी को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(खण्ड – क)

1. क) 'कुटज' निबंध संग्रह के लेखक हैं
 - i) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
 - ii) बालकृष्ण भट्ट
 - iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
 - iv) राजा लक्ष्मण सिंह

ख) सरदार पूर्ण सिंह किस युग के लेखक हैं?

- i) भारतेन्दु युग

- ii) द्विवेदी युग
- iii) छायावाद युग
- iv) प्रगतिवाद युग

ग) 'आनंद कादम्बिनी' के संपादक थे

- i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- ii) बालकृष्ण भट्ट
- iii) प्रताप नारायण मिश्र
- iv) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'

घ) हिन्दी का प्रथम उपन्यास है

- i) सेवा सदन
- ii) परीक्षा गुरु
- iii) कंकाल
- iv) अलका

ड) 'दीप जले शंख बजे' विद्या है

- i) रेखाचित्र
- ii) ललित निबन्ध
- iii) यात्रा वृत्तान्त
- iv) संस्मरण

2. क) सुमित्रानन्दन पन्त की रचना नहीं है

- i) पल्लव
- ii) वीणा

iii) रसवन्ती

iv) लोकायतन

ख) हिन्दी साहित्य के आदिकाल के लिए 'चरणाकाल' नाम दिया है

i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल से

ii) डॉ. राम कुमार वर्मा ने

iii) डॉ. नगेन्द्र ने

iv) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने

ग) निम्नलिखित में से कौन प्रेमाश्रयी शाखा के कवि नहीं है?

i) जायसी

ii) मंझन

iii) नंददास

iv) कुतसन

घ) अज्ञेय की रचना है

i) आँगन के पार द्वार

ii) कुरुक्षेत्र

iii) अपरा

iv) झंकार

ड) निम्न में से किन्हें 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' नहीं मिला है?

i) महादेवी वर्मा को

- ii) निराला को
- iii) सुमित्रानन्दन पन्त को
- iv) अज्ञेय को

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

मातृभूमि पर निवास करनेवाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं। पृथिवी हो और मनुष्य न हों तो राष्ट्र की कल्पना असंभव है। पृथिवी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है।

जन के कारण ही पृथिवी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथिवी माता है जन सच्चे अर्थों में पृथिवी के पुत्र हैं।

- i) राष्ट्र की कल्पना कब असंभव है?
- ii) पृथिवी और जन दोनों मिलकर क्या बनाते हैं?
- iii) पृथ्वी कब मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है?
- iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिये।
- v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

अथवा

निंदा कुछ लोगों की पूंजी होती है। बड़ा लम्बा-चौड़ा व्यापार फैलाते हैं वे उस पूंजी से। कई लोगों की प्रतिष्ठा ही दूसरों की कलंक-कथाओं के परायण पर आधारित होती है। बड़े रस-विभोर होकर वे जिस-तिस की सत्य-कल्पित कलंक-कथा सुनाते हैं और स्वयं को पूर्ण संत समझने की तुष्टि का अनुभव करते हैं।

- i) निंदा किसकी पूंजी होती है?

- ii) कुछ लोगों की प्रतिष्ठा का आधार क्या होता है?
- iii) 'सत्य-कल्पित कलंक-कथा' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
- iv) रेखांकित अंश का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
- v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

छायाएं मानव-जन की

दिशाहीन

सब ओर पड़ी - वह सूरज

नहीं उगा था पूरब में, वह

बरसा सहसा

बीचों-बीच नगर के

पहियों के ज्यों अरे टूट कर

बिखर गए हों

दसों दिशा में।

- i) मानव-जन की छायाएं किस दिशा में पड़ीं?
- ii) वह सूरज किस दिशा में उगा था?
- iii) 'काल-सूर्य' के रथ-पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
- iv) दस दिशाएं कौन-कौन सी हैं?
- v) इस पद्यांश के पाठ तथा उसके रचयिता का नामोल्लेख कीजिए।

अथवा

सावधान, मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तजकर मोह, स्मृति के पार
हो चूका है सिद्ध, है तू शिशु अभी अज्ञान,
फुल काटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान ।
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार ।

- i) कवि मनुष्य को सावधान क्यों कर रहा है?
- ii) मनुष्य को अज्ञान शिशु क्यों कहा गया है?
- iii) किसकी धार बड़ी तीखी है?
- iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- v) पाठ का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

- i) वासुदेवशरण अग्रवाल
- ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
- iii) हरिशंकर परसाई

ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

- i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- ii) महादेवी वर्मा
- iii) जयशंकर प्रसाद

6. 'बहादुर' अथवा 'लाटी' कहानी का संक्षिप्त कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'पंचलाईट' अथवा 'ध्रुवतारा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिये।

7. स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

- i) 'राजमुकुट' नाटक की कथावस्तु का सारांश लिखिए।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

- ii) 'कुहासा और किरण' नाटक के तृतीय अंक का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक के आधार पर 'अमूल्य' का चरित्रांकन कीजिए।

iii) 'आन का मान' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'आन का मान' नाटक के आधार पर 'दुर्गादास' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'गरुड़ध्वज' नाटक के दूसरे अंक का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'गरुड़ध्वज' नाटक के आधार पर 'विक्रममित्र' का चरित्रांकन कीजिए ।

v) 'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर अर्जुन का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर अभिशाप सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'रश्मिरथी' के प्रथम सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

‘रश्मिरथी’ के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

iii) ‘मुक्तियज्ञ’ खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

‘मुक्तियज्ञ’ खण्डकाव्य के आधार पर ‘महात्मा गाँधी’ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

iv) ‘त्यागपथी’ खण्डकाव्य का कथासार लिखिए।

अथवा

‘त्यागपथी’ खण्डकाव्य के प्रमुख नारी-पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

v) ‘सत्य की जीत’ खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

‘सत्य की जीत’ खण्डकाव्य के आधार पर ‘दूःशासन’ की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

vi) ‘आलोकवृत्त’ खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

‘आलोकवृत्त’ खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(खण्ड – ख)

9. क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

अतीते प्रथम कल्पे जनाः एकमभिरुपं सौभाग्यप्राप्तम् । सर्वाकारपरिपूर्णं पुरुषं राजानमकुर्वन् । चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एक सिंह राजानमकुर्वन् । ततः शकुनिगणाः हिमवत्-प्रदेशे एकस्मिन् पाषणे सन्निपत्य 'मनुष्येषु राजा प्रज्ञायते ततः चतुष्पदेषु च । अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति । अराजको वासो नाम न वर्तते । एको राजस्थाने स्थापयितव्यः' इति उक्तवन्तः । अथ ते परस्परमवलोकयन्तः एकमुलुकं दृष्ट्वा 'अयं न रोचते' इत्यवोचत् ।

अथवा

हिन्दी-संस्कृतावाङ्मलभाषासु अस्य समानः अधिकारः आसीत् । हिन्दी-हिन्दूहिन्दूस्थानानामुत्थाना य अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत् । शिक्षयैव देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति अतः श्री मालवीयः वाराणस्यां काशीविश्वविद्यालयस्य संस्थापनकरोत् ।

- ख) दिए गए पद्यांशों / श्लोकों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिन सुखम् ।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्या विद्यार्थी व त्यजेत् सुखम् ॥

अथवा

न में रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं कृद्धो भविष्यति ॥

10. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

- i) एक और एक ग्यारह होना ।
- ii) चार चाँद लगाना ।
- iii) दूध का दूध, पानी का पानी ।
- iv) एक अनार सौ बीमार ।

11. क) निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

i) 'नयनम्' का सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

- a) नय + अनम्
- b) नी + अनम्
- c) ने + अनम्
- d) ने + अनम्

ii) 'सदैव' का सन्धि-विच्छेद है

- a) सदा + एव
- b) सदा + ऐव
- c) सत् + एव
- d) सता + ऐव

iii) 'उज्ज्वलः' का सन्धि-विच्छेद है

- a) उज् + ज्वलः
- b) उत् + ज्वलः
- c) उक् + ज्वलः
- d) उज् + वलः ।

ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिए :

i) 'नाम्ने' में विभक्ति और वचन हैं

- a) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन
- b) पंचमी विभक्ति, द्विवचन
- c) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन
- d) तृतीया विभक्ति, एकवचन

ii) 'जगता' शब्द में विभक्ति और वचन है

- a) प्रथमा विभक्ति, बहुवचन
- b) षष्ठी विभक्ति, एकवचन
- c) तृतीया विभक्ति, एकवचन
- d) पंचमी विभक्ति, एकवचन ।

12. क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

i) शर-सर

- a) शोर और शान्ति
- b) तीव्र और मन्द
- c) प्रकाश और अंधकार
- d) तीर और तालाब ।

ii) पुरुष-परुष

- a) वीर और कायर
- b) व्यक्ति और कठोर
- c) कोमल और कठोर
- d) दुखी और कृपण ।

ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए :

i) पतंग

ii) हलधर

iii) सारंग

ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिये एक शब्द का चयन करके लिखिए :

i) जो सब कुछ जानता है

- a) सर्वद्रष्टा
- b) सर्वस्त्रष्टा
- c) अल्पज्ञ
- d) सर्वज्ञ ।

ii) जो कम बातें करता हो

- a) मितभाषी
- b) वाचाल
- c) कटुभाषी
- d) अभाषी ।

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए ।

- i) सरकारी मिट्टी के तेल की दुकान बंद है
- ii) दो-दी चार होता है
- iii) गुड का स्वाद मधुर-मीठा है
- iv) मोहन ने चिट्ठी लिखा ।

13. क) 'रौद्र रस' अथवा 'अद्भुत रस' का स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए ।

अथवा

ख) 'रूपक' अथवा 'प्रतीप' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए।

ग) 'चौपाई' अथवा 'बरवै' छन्द का मात्रा सहित लक्षण अथवा उदाहरण लिखिए।

14. अपने गाँव अथवा मोहल्ले में प्राप्त गन्दगी के सन्दर्भ में अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए स्थानीय समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

अथवा

उच्च शिक्षा हेतु ऋण प्राप्त करने के लिए बैंक शाखा प्रबंधक को आवेदन पत्र लिखिए।

15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

- i) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या : कारण एवं निवारण
- ii) वर्तमान युग में योग का महत्व
- iii) विद्यालय में कंप्यूटर शिक्षा की उपयोगिता
- iv) मेरा प्रिय कवि।
